विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – सप्तम **दिनांक -२२ -०४ - २०२१**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज परिमाणवाचक विशेषण के बारे में अध्ययन करेंगे ।

परिमाणवाचक विशेषण

परिमाणवाचक विशेषण की परिभाषा

जिन विशेषण शब्दों से किसी वस्तु के माप-तौल संबंधी विशेषता का बोध होता है, वे परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

दूसरे शब्दों में- वह विशेषण जो अपने विशेष्यों की निश्चित अथवा अनिश्चित मात्रा (परिमाण) का बोध कराए, परिमाणवाचक विशेषण कहलाता है। यह किसी वस्तु की नाप या तौल का बोध कराता है। इस विशेषण का एकमात्र विशेष्य द्रव्यवाचक संज्ञा है।

जैसे- 'सेर' भर दूध, 'तोला' भर सोना, 'थोड़ा' पानी, 'कुछ' पानी, 'सब' धन, 'और' घी लाओ, 'दो' लीटर दूध, 'बहुत' चीनी इत्यादि।

उदाहरण-

- मुझे थोड़ा दूध चाहिए, बच्चे भूखे हैं।
- बारात को खिलाने के लिए चार क्विंटल चावल चाहिए।
- उपर्युक्त उदाहरणों में 'थोड़ा' अनिश्चित एवं 'चार क्विंटल' निश्चित मात्रा का बोधक है।

परिमाणवाचक विशेषण के भेद

परिमाणवाचक विशेषण के दो भेद होते है-

1. निश्चित परिमाणवाचक

2. अनिश्चित परिमाणवाचक

निश्चित परिमाणवाचक: जो विशेषण शब्द किसी वस्तु की निश्चित मात्रा अथवा माप-तौल का बोध कराते हैं, वे निश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहलाते है।

जैसे- 'दो सेर' घी, 'दस हाथ' जगह, 'चार गज' मलमल, 'चार किलो' चावल।

अनिश्चित परिमाणवाचक: जो विशेषण शब्द किसी वस्तु की निश्चित मात्रा अथवा माप-तौल का बोध नहीं कराते हैं, वे अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहलाते है।

जैसे- 'सब' धन, 'कुछ' दूध, 'बहुत' पानी।